96 बिल्लियाँ

बर्नार्ड वाइजमैन

हिंदी: छाया भदौरिया

मैडम लेनोर अपनी सभी 96 बिल्लियों से बहुत प्यार करती थीं! लेकिन इतनी सारी बिल्लियों के पालन-पोषण में उनकी क्षमता से ज़्यादा खर्चा हो गया और जल्द ही बिल्लियाँ फिर से भूख से तड़पने लगीं। अफसोस! अपनी सारी जमा पूँजी बेचने के बाद भी वह उनके लिए ज़रूरी दूध, मांस और मछली नहीं खरीद पाईं। बिल्लियाँ होशियार जानवर होने के लिए जानी जाती हैं, लेकिन ये 96 बिल्लियाँ अब तक पैदा हुई सबसे होशियार बिल्लियाँ थीं! उन्होंने योजना बनाई और पैसे कमाने के सबसे अद्भुत तरीके ढूँढ़ निकाले। क्या आपने कभी चूहों को दूर रखने या झंडे के डंडे को रंगने के लिए बिल्ली को काम पर रखने के बारे में सोचा है? उन्होंने इसके बारे में सोचा और मैडम लेनोर के घर पैसे लाने के कई और तरीकों के बारे में भी सोचा। आप किसी आपदा से कैसे बचते हैं? बिल्लियों को काम पर रखें!

लेखक-चित्रकार के बारे में:

बर्नार्ड वाइजमैन का जन्म और पालन-पोषण न्यूयॉर्क शहर में हुआ था। उन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान यूनाइटेड स्टेट्स कोस्ट गार्ड में सेवा की और वहाँ रहते हुए कार्टून बनाए, जिससे उन्हें अपने करियर की शुरुआत मिली। उन्होंने न्यू यॉर्कर पत्रिका के लिए काम किया, बच्चों की किताबों और पत्रिकाओं को चित्रित किया और कई प्रमुख वाणिज्यिक अभियानों के लिए कला का काम किया। श्री वाइजमैन ने औपचारिक स्कूलों के लाभ के बिना अपनी शैली और कौशल को विकसित किया, हालाँकि उन्होंने कला स्कूलों में पढ़ाया है। वे शादीशुदा हैं और उनका एक बेटा पीटर है।

96 बिल्लियाँ

बर्नार्ड वाइजमैन

हिंदी: छाया भदौरिया

मैडम लेनोर नाम की एक बूढ़ी महिला के पास छियानवे
बिल्लियाँ थीं फिर भी उन्हें और अधिक बिल्लियों की चाह थी।

उन्होंने बिल्लियों को अच्छे से अच्छा खाना खिलाया।

हालाँकि इसकी लागत बहुत अधिक थी,

फिर भी उन्होंने उसकी कोई परवाह नहीं की।

लेकिन, एक दोपहर को उनके वकील ने कहा, "आपकी बिल्लियों को खाना खिलाने में बहुत अधिक खर्च आता है! यदि आप इसी तरह खाना खिलाती रहीं, तो आप जल्दी ही बहुत और बहुत ही गरीब हो जाएँगी।"

फिर भी वह प्रत्येक बिल्ली की थाली को ढेर सारे मांस, दूध और मछली से भरती रहीं।

कुछ ही समय में उनका सारा पैसा खर्च हो गया।

उन्हें बिल्लियों को खाना खिलाना बहुत महँगा पड़ा! उन्हें अपने मोतियों, अँगूठियों और बाकी सभी प्यारी चीज़ों को बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा।

लेकिन, सामान बेचने से जो पैसा मिला
वह ज़्यादा समय तक नहीं टिक पाया।

छियानवे बिल्लियाँ बहुत सारा खाना फटाफट खाती हैं!
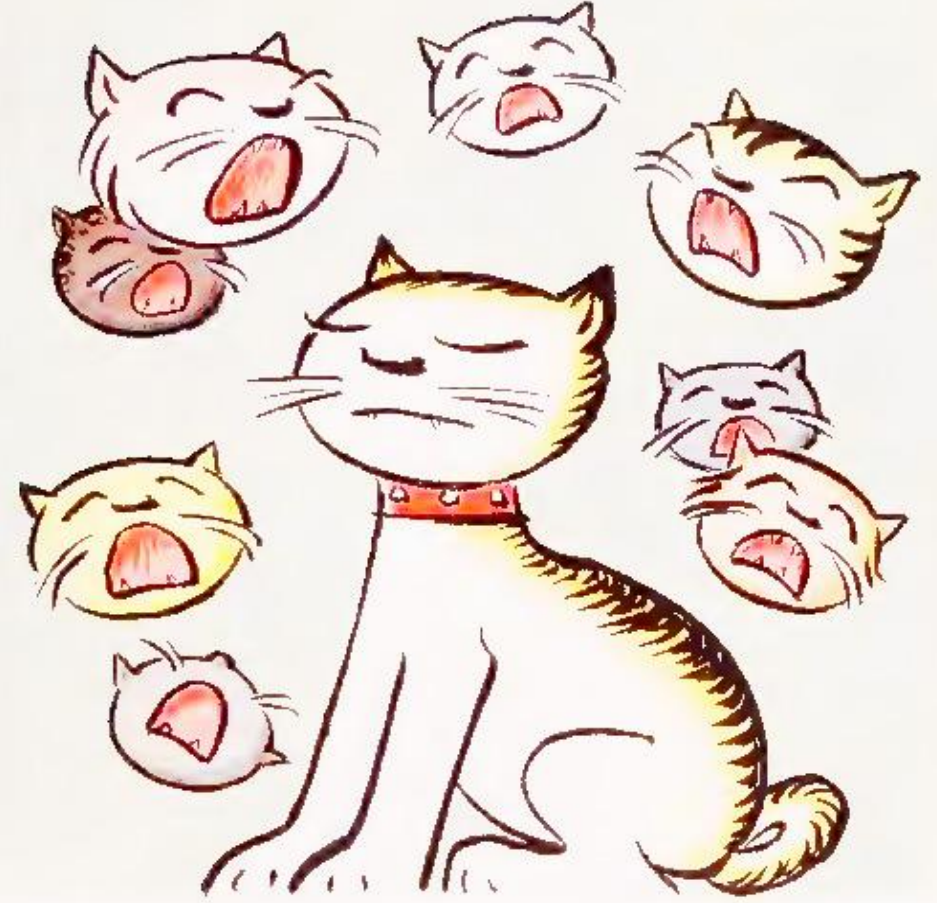
और इसलिए, एक रात ऐसी निकली कि बिल्लियों को एक भी निवाला नसीब नहीं हुआ। बिल्लियाँ भूखी थीं और वे म्याऊँ-म्याऊँ कर रही थीं - केवल एक को छोड़कर, जो बहुत ही घमंडी थी।
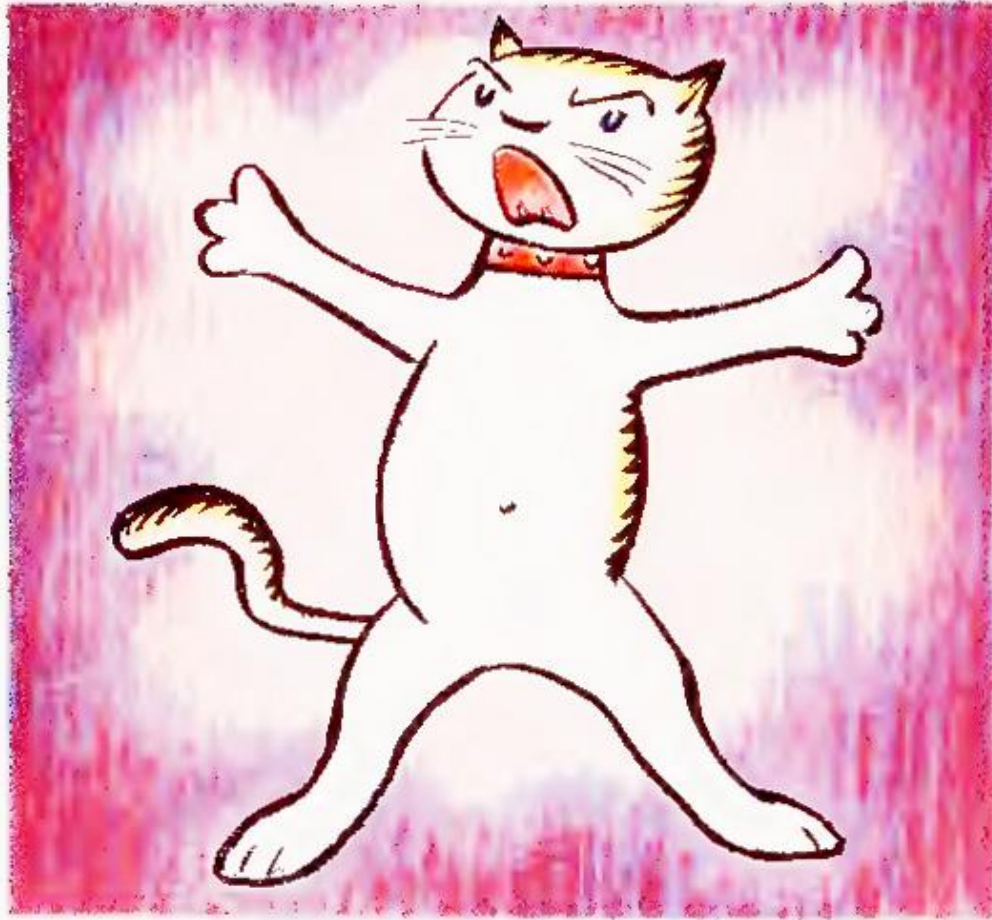
लियो नाम की यह बिल्ली चिल्लाई, "चुप!

हमें भोजन चाहिए, और हमारे म्याऊँ-म्याऊँ करने से हमें खाना नहीं मिलेगा!

हमें शोर करने के बजाय पैसा कमाना चाहिए - तो चलो हम कुछ ऐसा करने का प्रयास करें।"
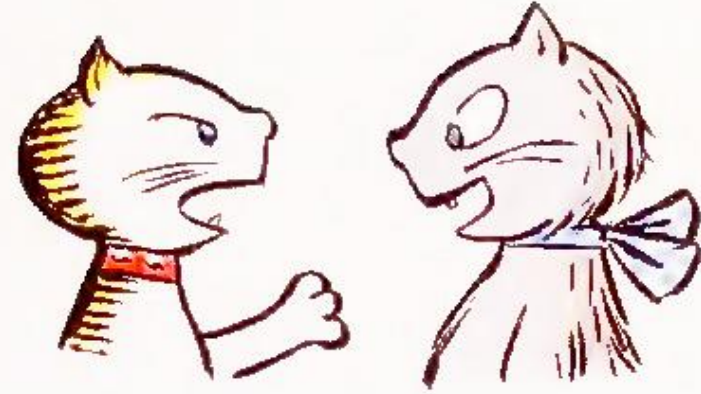
"बिल्लियाँ पैसा नहीं कमा सकतीं!" एक बड़ी बिल्ली चिल्लाई।

"कौन जानता है?" लियो ने कहा। "उन्होंने कभी कोशिश नहीं की।"

सैम नाम की एक बिल्ली ने कहा, "आप जानते हैं, यह सही है-

लेकिन दुनिया में ऐसी क्या चीज़ है जो हम बिल्लियाँ कर सकती हैं?"

"चूहों को पकड़ना!" लेनी नाम की एक बिल्ली चिल्लाई।

"एक चूहे को पकड़ने के लिए हम एक पैसा चार्ज कर सकते हैं।"
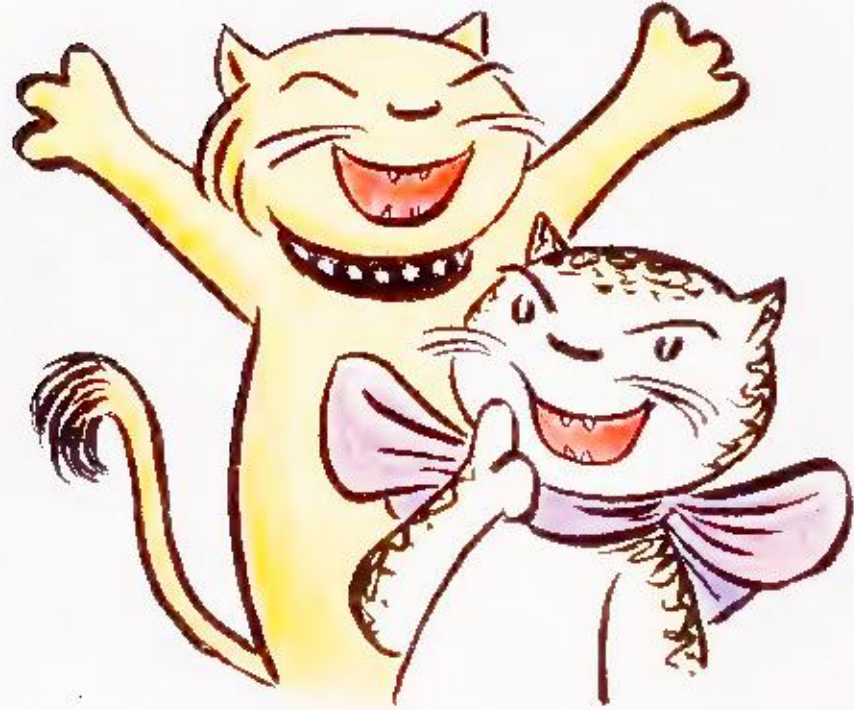
"हम बिजूका बन सकते है!" फ़्लो नाम की एक बिल्ली ने कहा।

"उन पक्षियों का पीछा करेंगे जो मक्का और गेहूँ को बढ़ने नहीं देते!

पक्षी नये रोपे गये बीज खाना पसंद करते हैं।

किसान को अच्छे बिजूकों की ज़रूरत है।"

"क्यों न ध्वजस्तंभ को रंगा जाए?" एक भूरी बिल्ली ने कहा।

"मुझे यकीन है कि हम ऐसा ही कुछ कर सकते हैं।"

"और मछली की दुकान को साफ़ कर सकते हैं!" एक मोटी बिल्ली चिल्लाई।

"मैं तो अंदर जाने के लिए एकदम तैयार बैठी हूँ।"
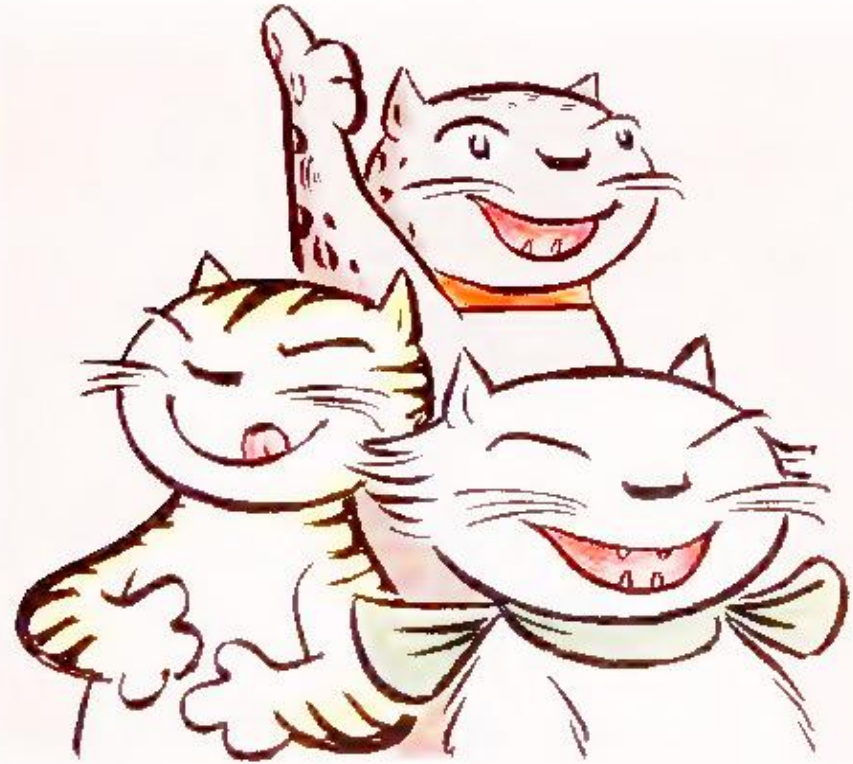
एक टॉम-बिल्ली ने गुर्राते हुए कहा, "मुझे मांस खाना बहुत पसंद है।

क्यों न हम कसाई की दुकान को साफ-सुथरा रखने का काम करें?"

जॉर्ज नाम की एक बिल्ली ने कहा, "मैंने और भी कुछ सोचा है।

हम फर्श पर गिरा हुआ दूध साफ़ कर सकते हैं!"

हम किसान के पेड़ों से फल तोड़ सकते हैं और

चूहों को पनीर कुतरने से रोक सकते हैं, और

अगर हम लोगों के खर्राटे लेते समय ऊँची आवाज़ में चिल्लाएँ,

तो फिर हम कबाड़ी वाले को कई जोड़ी जूते बेच सकते हैं!"

सैम ने कहा, "बिल्ली के अभिनय के बारे में भी क्या ख़याल है?

मुझे यकीन है कि कई बिल्लियाँ करतब करना जानती हैं।"

"बिल्लियाँ!" लियो चिल्लाया, "आइए एक विज्ञापन बोर्ड लगाएँ!

एक बार जब हम काम करेंगे, तो चीजें ठीक हो जाएँगी।"

भाड़े के लिए बिल्लियाँ

मेहनती!

बहुत सस्ती!

हर काम में माहिर

उन्होंने लगभग दस फुट ऊँचा एक विज्ञापन बोर्ड बनाया

जिसे चलते हुए हर किसी ने देखा।

लोग रुके और बोले, "यह मजेदार लगता है!"

"क्या तुम मेरे लिए काम करोगी?"

"मुझे काम पूरा करना है!"

बिल्लियाँ पूरे दिन चूहों को भगाती रहीं।

बिजूका बिल्लियों ने एक भी पक्षी को खेत में रहने नहीं दिया।

बिल्लियाँ फुर्ती से ध्वजस्तंभ पर चढ़ गईं और एक उन्होंने आदमी की तरह उसे अच्छी तरह से रंग दिया।

बिल्लियों ने बिना पोंछे के मछली की दुकान साफ़ कर दी

और कसाई की दुकान पर भी वैसा ही किया।
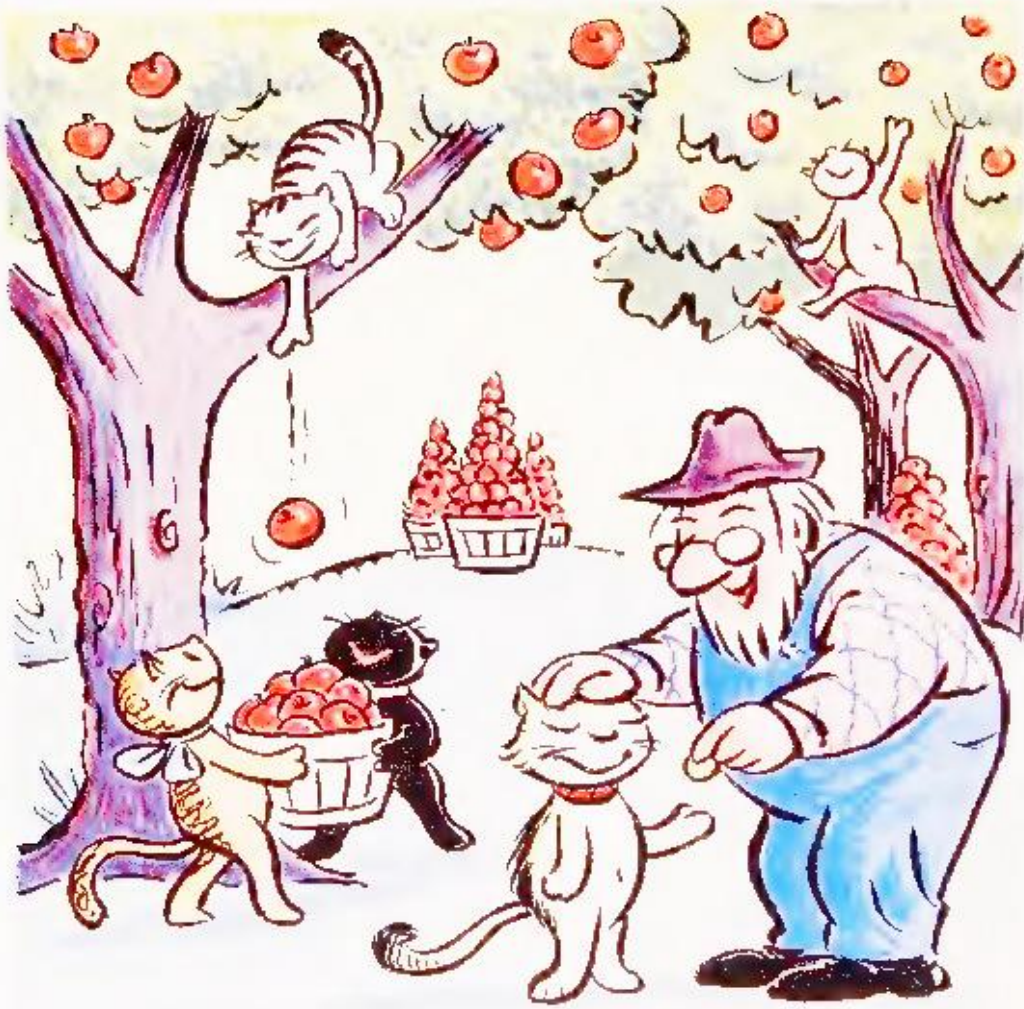
फल चुनने वाली बिल्लियों ने बहुत सारे फल तोड़ लिए,
और बूढ़े किसान श्मिट ने कहा, "बहुत बढ़िया!"

जब उसने देखा कि बिल्लियाँ पनीर की रक्षा कर रही हैं,
तो उसने कहा, "इतना बड़ा आश्चर्य! बहुत-बहुत धन्यवाद!"
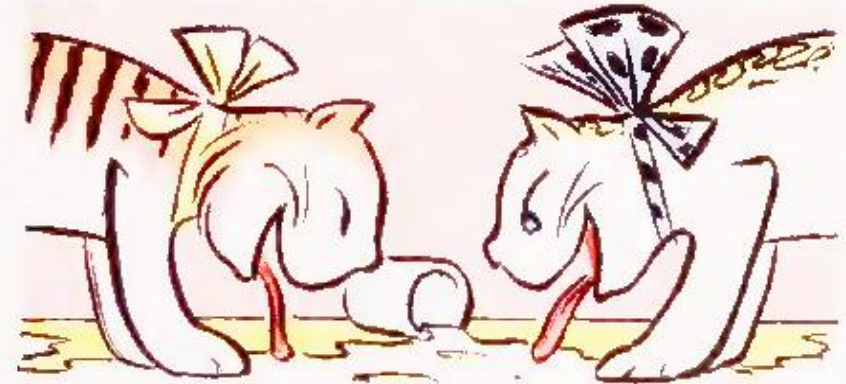
दूसरी बिल्लियों ने गिरा हुआ दूध साफ कर दिया।
उन्होंने इसे तब तक साफ किया जब तक कि उनका पेट नहीं भर गया।

बिल्लियाँ सारी रात चारदीवारी पर बैठी चिल्लाती रहीं, और लोग अपनी पूरी ताकत से जूते फेंकते रहे!

महिलाओं और पुरुषों के जूते हवा में उड़ते गए और कबाड़ीवाले ने हर जूता खरीद लिया।
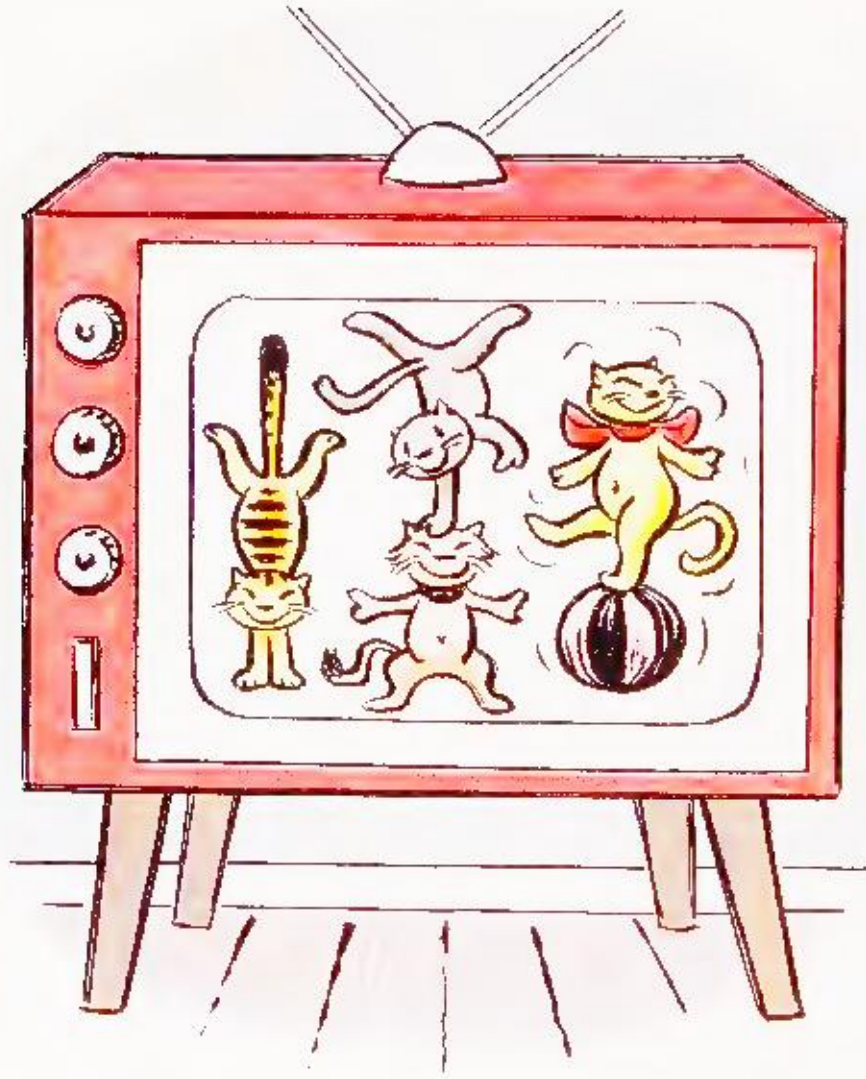
जिन बिल्लियों में प्रतिभा थी,
वे टीवी पर आईं और कई अद्भुत करतब दिखाए।

जब बिल्लियों को उनके सभी कामों के लिए भुगतान मिल गया,
तो वे अपना वेतन अपने पंजों में दबाकर घर ले गईं।

अब, एक बार फिर, प्रत्येक बिल्ली के पास एक बर्तन था जो मांस, दूध और मछली से भरा हुआ था।

बिल्लियों ने मैडम लेनोर की चीज़ें वापस खरीद लीं – उनके कंगन, मोती और सुंदर अँगूठियाँ।
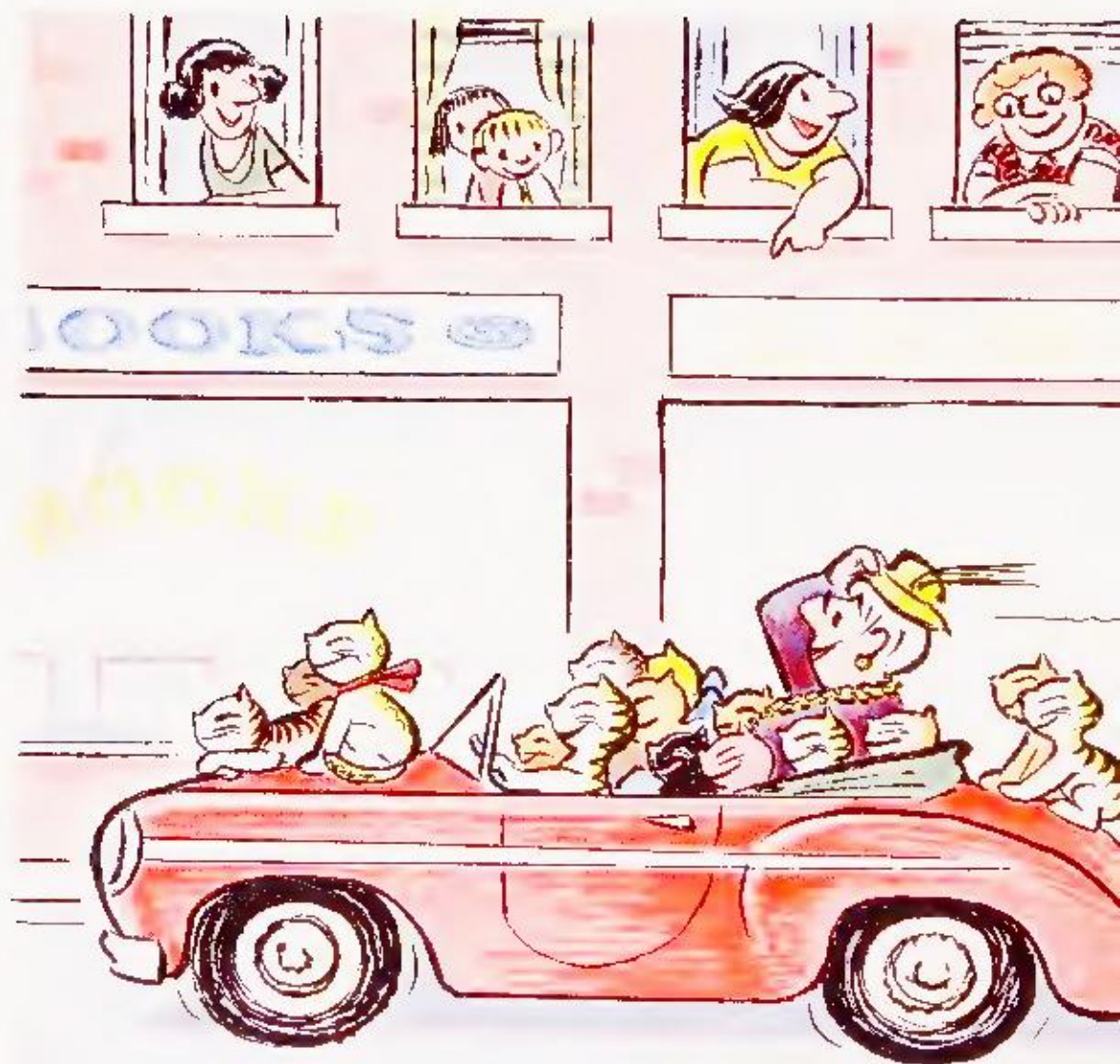
बिल्लियों ने उनके लिए एक कार, कपड़े और टोपियाँ खरीदीं। लोग कहने लगे, "वे बहुत स्मार्ट बिल्लियाँ हैं! मैडम लेनोर बहुत ही भाग्यशाली हैं जो उन्हें ऐसी पालतू बिल्लियाँ मिलीं। ज़रा उन उपहारों को तो देखो जो वे मैडम लेनोर के लिए लाई हैं!" लेकिन, कुछ ऐसी चीज़ें थीं जो मैडम को उनकी बिल्लियों से मिलने वाले किसी भी उपहार से भी ज़्यादा पसंद थीं।

मैडम लेनोर ने कहा, "मुझे जो सबसे अधिक अच्छा लगता है, वह है यह जानना कि मेरी बिल्लियाँ अब अच्छी तरह से खा-पी रही हैं - उन्हें खुश देखना - उन्हें खेलते हुए या अपने सुंदर, मुलायम बालों को चाटते हुए गुनगुनाते हुए सुनना।

और यह याद रखना कि उन्होंने अपना कर्तव्य कैसे निभाया, यही मेरे दिल के सबसे करीब है।"